BHDC-105
(BAHDH)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2026 तथा जनवरी 2027)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी–105
छायावादोत्तर हिंदी कविता

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी.–105 / **BAHDH**

प्रिय छात्र / छात्राओ!

'छायावादोत्तर हिंदी कविता' पाठ्यक्रम में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने भाब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। इस पाठ्यक्रम में आपको समाचार पत्र और फीचर लेखन का व्यवहारिक ज्ञान कराया गया है। सत्रीय कार्य में हमने अधिकांश प्रश्न ऐसे दिए हैं, जिनसे फीचर लेखन से संबंद्ध आपकी कुशलता की जाँच हो सके। इससे आपको फीचर लेखन में अपनी क्षमता का विकास करने में मदद मिलेगी तथा जाँचे हुए सत्रीय कार्यों से आप अपनी त्रुटियों और कमजोरियों को पहचान सकेंगे और उन्हें दूर कर सत्रांत परीक्षा में बेहतर परिणाम पा सकेंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख कीजिए।
4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : .....
नाम : .....
पता : .....
.....

पाठ्यक्रम का नाम / कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....
अध्ययन केन्द्र का नाम / कोड : ..... दिनांक : .....

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

जुलाई 2026: जून 2026 सत्रांत परीक्षा के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2027

जनवरी 2027: दिसंबर 2027 सत्रांत परीक्षा के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 30 सिंतबर, 2027

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश :

सत्रीय कार्य के तीन खंड हैं और उसमें तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

   यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :
   क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
   ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
   घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
   ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

   1. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।
   2. **विशेष** : अपने उत्तर की फ़ोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य
(संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी.–105 / **BAHDH**
सत्रीय कार्य कोड : बी.एच.डी.सी.–105 / 2026–27
कुल अंक : 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड – क

1. निम्नलिखित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिये :

क कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास 10
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त

ख मैं न वह जो स्वप्न पर केवल सही करते, 10
आग में उसको गला लोहा बनाती हूँ,
और उस पर नींव रखती हूँ नये घर की,
इस तरह दीवार फौलादी उठाती हूँ।

मनु नहीं, मनु–पुत्र है यह सामने, जिसकी
कल्पना की जीभ में भी धार होती है,
वाण ही होते विचारों के नहीं केवल,
स्वप्न के भी हाथ में तलवार होती है।

ग यह दीप अकेला स्नेहभरा 10
है गर्वभरा, मदमाता, पर
इसको भी पंक्ति को दे दो।
यह जन है : गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गायेगा?
पनडुब्बा : ये मोती सच्चे फिर कौन कृति लायेगा?
यह समिधाः ऐसी आग हठीला बिरला सुलगायेगा।
यह अद्वितीय हैः यह मेराः यह मैं स्वयं विसर्जितः

घ चौड़ी सड़क गली पतली थी 10
दिन का समय घनी बदली थी
रामदास उस दिन उदास था
अंत समय आ गया पास था
उसे बता यह दिया गया था उसकी हत्या होगी।

खंड –ख

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए : 10×4=40

2. प्रगतिवाद के अभिव्यंजना शिल्प पर प्रकाश डालिए।
3. नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए।
4. समकालीन कविता की शिल्पगत प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।
5. नागार्जुन के काव्य में व्यक्त राजनीतिक व्यंग्य पर प्रकाश डालिए।

खंड –ग

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए : 5×4=20

6. दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय चेतना को स्पष्ट कीजिए।
7. अज्ञेय की काव्य संवेदना चर्चा कीजिए।
8. केदारनाथ सिंह की कविता 'बाघ' का विश्लेषण कीजिए।
9. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की कविताओं पर राजनीतिक विचारधाराओं के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए।